भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2514
उत्तर देने की तारीख 04.08.2025

मकायस में बुनियादी ढांचे का विकास

2514. श्री सौमित्र खान :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान (मकायस) में बुनियादी ढांचे के विकास की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) क्या साल्ट लेक परिसर पूरी तरह से कार्यरत है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और किसी लंबित निर्माण कार्य को पूरा करने की समय-सीमा क्या है;

(ग) पिछले पाँच वर्षों के दौरान संस्थान को आवंटित कुल धनराशि सहित अनुसंधान, बुनियादी ढांचे और शैक्षणिक गतिविधियों पर व्यय की गयी धनराशि का ब्यौरा क्या है;

(घ) पिछले पाँच वर्षों के दौरान विशेषकर आधुनिक और समकालीन एशिया, पड़ोसी देशों के साथ भारत के संबंधों और पूर्वोत्तर कार्यक्रम के संबंध में शुरू की गयी शोध परियोजनाओं की संख्या का ब्यौरा क्या है; और

(ड.) मध्य एशिया, दक्षिण एशिया और पश्चिम एशिया में शोध का विस्तार करने के लिए विदेशी संस्थानों के साथ मकायस के वैश्विक सहयोग को बढ़ाने हेतु उठाए गए/उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): मकाइस में अवसंरचना की वर्तमान स्थिति का विवरण निम्नानुसार है:

फर्श, प्रांगण की ऊपरी छत की शीट और पुस्तकालय के स्टोर रूम आदि की मरम्मत और पुनरूद्धार का कार्य पूरा हो चुका है। बाहरी हिस्से में पहले से जमी हुई पेवर टाइल्स को पेवर ब्लॉक से बदलने का काम भी पूरा हो चुका है।

(ख): साल्ट लेक परिसर 16 जनवरी, 2010 से बिना किसी रुकावट के पूर्णतः परिचालित है।

(ग): विगत पाँच वर्षों में वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक मकाइस को आवंटित कुल धनराशि **30,13,50,000.00 रुपए (तीस करोड़ तेरह लाख पचास हज़ार रुपए मात्र) है**। विस्तृत विवरण **अनुलग्नक 'I'** में संलग्न है।

(घ): विगत पांच वर्षों के दौरान की गई अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या का विवरण **अनुलग्नक 'II'** में संलग्न है ।

(ड.): भारत और विदेश दोनों में हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों (एमओयू) का ब्यौरा **अनुलग्नक 'III'** पर दिया गया है।

अनुसंधान परियोजनाओं सहित विभिन्न परियोजनाओं/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/ वेबिनारों/व्याख्या सत्रों के नाम **अनुलग्नक 'IV'** में संलग्न हैं।

*****

अनुलग्नक -

'मकायस में बुनियादी ढांचे का विकास' के संबंध में दिनांक 04 अगस्त, 2025 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2514 के भाग (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

विगत पांच वर्षों में निधि के आवंटन की तुलना में संस्थान द्वारा किए गए व्यय को दर्शाने वाला विवरण

(लाख रुपए में)

क्रम सं.	वित्तीय वर्ष	समझौता ज्ञापन के अनुसार आवंटित निधि			किया गया व्यय		
		अनुसंधान	अवसंरचना	शैक्षणिक गतिविधियाँ	अनुसंधान	अवसंरचना	शैक्षणिक गतिविधियाँ
1	2020-2021	109.60	360.40	125.00	45.86	330.52	6.93
2	2021-2022	26.50	413.50	25.00	13.79	423.85	24.29
3	2022-2023	56.50	413.50	7.00	83.91	420.00	46.00
4	2023-2024	107.00	486.50	60.00	70.87	427.77	92.62
5	2024-2025	82.00	591.00	150.00	13.21	506.85	147.58
कुल		381.60	2,264.90	367.00	227.64	2,108.99	317.42

अनुलग्नक-

'मकायस में बुनियादी ढांचे का विकास' के संबंध में दिनांक 04 अगस्त, 2025 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2514 के भाग (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

विगत पांच वर्षों के दौरान विशेष रूप से आधुनिक और समकालीन एशिया, पड़ोसी देशों के साथ भारत के संबंध और पूर्वोत्तर कार्यक्रम में किए गए अनुसंधान परियोजनाओं की कुल संख्या नीचे दी गई है:

वित्तीय वर्ष (2020-2021) में अध्येतावृत्ति - दो वर्षीय सत्र में कुल 15 शोध परियोजनाएं।

वित्तीय वर्ष (2022-2023) में अध्येतावृत्ति - दो वर्षीय सत्र में कुल 18 शोध परियोजनाएं:

क. आज़ाद फेलो : कुल (1)
ख. मकाइस फेलो: कुल (17)

(सत्र 2025- वर्तमान) में शुरू की गई प्रमुख परियोजनाएं

1. रामायण कूटनीति: भारत की सॉफ्ट पावर को बढ़ाना
2. गौतम बुद्ध: एशिया में एक एकताकारी शक्ति
3. डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार: समकालीन संदर्भ में एक धार्मिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य
4. "बृहत्तर भारत" (ग्रेटर इंडिया): सांस्कृतिक और साझा विरासत के माध्यम से एशियाई देशों को जोड़ना।

अनुलग्नक-

'मकायस में बुनियादी ढांचे का विकास' के संबंध में दिनांक 04 अगस्त, 2025 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2514 के भाग (ड.) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

विभिन्न विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

- मकाइस, कोलकाता और भारतीय विरासत संस्थान (आईआईएच), नोएडा के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।
- मकाइस कोलकाता और गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय), बिलासपुर के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।
- मकाइस कोलकाता और रजिस्ट्रार, कॉटन विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।
- मकाइस कोलकाता और दक्षिण पूर्व एशियाई अध्ययन केंद्र, गुवाहाटी विश्वविद्यालय और गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

निम्नलिखित बाली (इंडोनेशिया) विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए:

- मकाइस, कोलकाता और बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग, पॉलिटेक्निक, नेगेरी, इंडोनेशिया के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।
- मकाइस, कोलकाता और इकातन सेंडेकियावान हिंदू इंडोनेशिया, बाली, इंडोनेशिया के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।
- मकाइस, कोलकाता और द्विजेंद्र विश्वविद्यालय देनपसार, बाली, इंडोनेशिया के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।
- मकाइस, कोलकाता और यूनिवर्सिटास पेंडिडिकन गणेश, इंडोनेशिया के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

वर्तमान में प्रमुख परियोजनाएँ

- रामायण कूटनीति: भारत की सॉफ्ट पावर को बढ़ाना
- गौतम बुद्ध: एशिया में एकताकारी शक्ति
- डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार: समकालीन संदर्भ में एक धार्मिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य
- "बृहत्तर भारत": सांस्कृतिक और साझा विरासत के माध्यम से एशियाई देशों को जोड़ना।

अनुलग्नक-

'मकायस में बुनियादी ढांचे का विकास' के संबंध में दिनांक 04 अगस्त, 2025 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2514 के भाग (ड.) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

दक्षिण पूर्व एशिया पर मकाइस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

25 और 26 मार्च, 2023 - बिम्सटेक, कोलकाता

I मकाइस, कोलकाता ने विदेश मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रीय पुस्तकालय, कोलकाता, भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स, आईएससीएस और अन्य थिंक टैंक के सहयोग से कोलकाता के होटल ताज बंगाल में दूसरा आईएससीएस बिम्सटेक सम्मेलन आयोजित किया।

31 मार्च, 2023

मकाइस, कोलकाता ने सामाजिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन संस्थान (आईएससीएस), कोलकाता के सहयोग से आईसीसीआर कोलकाता में "बिम्सटेक सुरक्षा सहयोग" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया।

14 और 15 सितंबर , 2024 - बाली, इंडोनेशिया

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद एशियाई अध्ययन संस्थान, कोलकाता बाली में भारत के महावाणिज्य दूतावास और सामाजिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन संस्थान (आईएससीएस) के सहयोग से सानूर, बाली, इंडोनेशिया में भारत और इंडोनेशिया के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में "लहरों के पार गूँज: भारत और इंडोनेशिया की साझा सांस्कृतिक विरासत के अंतर्संबंधों का पुनरीक्षण" शीर्षक से एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रहा है।

मध्य एशिया पर मकाइस का प्रकाशन

. डॉ. नंदिनी भट्टाचार्य द्वारा लिखित पुस्तक जिसका शीर्षक है, ट्रेसिंग दि ट्रेल ऑफ इंडो-ताजिक कल्चरल लिंक थ्रू पास्ट एंड प्रेजेंट, केस स्टडी ऑफ वेरियस आर्ट फॉर्मस (केडब्ल्यू प्रकाशक, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित)।

. डॉ. अरुणव पात्र द्वारा लिखित पुस्तक जिसका शीर्षक है, आर्मेनियन कम्युनिटी ऑफ कोलकाता: स्ट्रगल फॉर एग्जिसटेंस (शिप्रा प्रकाशन, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित)।

*****